जिले को नशामुक्त बनाना सर्वोच्च प्राथमिकता : उपायुक्त

सड़क हादसों पर लगाम और नशे पर जीरो टॉलरेंस नीति से करें काम



देवघर (आससे)। जिले में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा जिले को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में आज दिनांक 26.10.2026 को समाहरणालय कक्ष में जिला परिवहन और जिला स्तरीय ह्यष्टह्लञ्ज टास्क फोर्स की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आमजन की सुरक्षा और युवाओं को नशे के चंगुल से बचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सड़क सुरक्षा की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने जिले में चिन्हित 37 ब्लैक स्पॉट पर चल रहे सुरक्षात्मक कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालक अभियंता द्वारा 29 स्थलों पर कार्य शुरू होने की पुष्टि के उपरांत, उन्होंने निर्देश दिया कि सभी स्थलों पर साइनेज, स्पीड ब्रेकर और रिफ्लेक्टर लगाने का कार्य युद्धस्तर पर पूरा कराया जाए।

इसके अतिरिक्त स्कूली वाहनों की फिटनेस, परमिट और चालकों के लाइसेंस की नियमित जांच सुनिश्चित करने के साथ-साथ बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने जैसी प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाने हेतु नियमित विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि हिट एंड रन मामलों में पीड़ित परिवारों को बीमा कंपनियों से समन्वय स्थापित कर त्वरित रूप से मुआवजा दिलाया जाए।

वहीं नशा मुक्त भारत अभियान के तहत देवघर को नशा मुक्त करने के संकल्प को दोहराते हुए उपायुक्त ने नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने औषधि निरीक्षक को निर्देशित किया कि वे पुलिस एवं प्रशासन के साथ मिलकर मेडिकल स्टोरों पर सघन छापेमारी करें, और यदि कोई भी प्रतिष्ठान बिना डॉक्टर के पर्चे के नशीली कफ सिरप या प्रतिबंधित दवाइयां बेचता पाया जाता है तो तत्काल उसका लाइसेंस रद्द कर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

इसके साथ ही पुलिस और उत्पाद विभाग को संभावित हॉटस्पॉट पर संयुक्त कार्रवाई करने तथा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं सार्वजनिक स्थलों पर जन-जागरूकता फैलाने को कहा गया। शिक्षण संस्थानों में युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला शिक्षा पदाधिकारी को सभी स्कूल-कॉलेजों में एंटी-ड्रग क्लब और जागरूकता समितियों को सक्रिय करने का जिम्मा सौंपा गया।

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर, जिला परिवहन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, यातायात, उत्पाद अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी और राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालक अभियंता के अलावा संबंधित विभाग के अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

मोतियाबिंद जांच एवं नि:शुल्क ऑपरेशन शिविर का होगा आयोजन



देवघर (आससे)। सीकर नागरिक परिषद एवं रोटरी क्लब ऑफ देवघर के संयुक्त तत्वावधान में जसीडीह स्थित आरोग्य भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी 17 दिसंबर से 20 दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाले मेगा मोतियाबिंद जांच एवं नि:शुल्क ऑपरेशन शिविर की जानकारी नागरिक परिषद के अध्यक्ष घनश्याम शोभासरिया ने दी।

इस शिविर के माध्यम से लगभग 18,000 लोगों की आंखों की जांच करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जांच के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए जाने वाले तथा ऑपरेशन के लिए योग्य घोषित मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा।

साथ ही, उन्हें आवश्यक दवाइयां भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराना तथा उनके जीवन में रोशनी लौटाना है।

अनुभवी नेत्र चिकित्सकों की टीम करेगी मरीजों की जांच

इस मेगा शिविर में लगभग 40 नेत्र चिकित्सकों एवं नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम अपनी सेवाएं प्रदान करेगी।

इसमें दो नेत्र विशेषज्ञ तथा कोलकाता से आने वाले एक नेत्र सर्जन भी शामिल होंगे। चिकित्सकों की टीम मरीजों की आंखों की जांच करेगी, मोतियाबिंद के मामलों की पहचान करेगी तथा ऑपरेशन के योग्य मरीजों के उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करेगी।

पूरी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन, पीयूष सोडानी ने किया है विकसित

इस वर्ष के शिविर की एक विशेष उपलब्धि इसकी पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया होगी।

इस डिजिटल प्रणाली को श्री पीयूष सोडानी ने विकसित किया है। इसके माध्यम से मरीजों के पंजीकरण, आंखों की जांच, मरीजों की पहचान तथा उपचार संबंधी आगे की प्रक्रिया को व्यवस्थित और सुचारु रूप से संचालित करने में सहायता मिलेगी।

इतनी बड़ी संख्या में मरीजों की जांच एवं उपचार की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संचालित करने में यह तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

25 वर्षों की सेवा यात्रा में 1.98 लाख मरीजों की आंखों की जांच

सीकर नागरिक परिषद पिछले 25 वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में, विशेषकर नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में, महत्वपूर्ण योगदान देती आ रही है। संस्था द्वारा अब तक लगभग 1.98 लाख मरीजों की आंखों की जांच की जा चुकी है।

आगामी शिविर संस्था का 162वां नेत्र जांच शिविर होगा। यह उपलब्धि संस्था की निरंतर सेवा भावना, सामाजिक प्रतिबद्धता और जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प को दर्शाती है।

सीकर नागरिक परिषद के पदाधिकारी

इस सेवा कार्य में सीकर नागरिक परिषद के प्रमुख पदाधिकारी एवं आयोजक निम्नलिखित हैं-श्री घनश्याम प्रसाद सोभासरिया-अध्यक्ष, श्री रवि शंकर सिकारिया-सचिव, श्री केशव सोधानी-संयुक्त सचिव, श्री नवनीत सोडानी - संयोजक, श्री श्याम सुंदर धानुका सह संयोजक, रोटरी क्लब ऑफ देवघर की टीम, इस मेगा शिविर के आयोजन में रोटरी क्लब ऑफ देवघर की ओर से निम्नलिखित सदस्य सहयोग कर रोटेरियन शंकर लाल सिंघानिया, रोटेरियन प्रमोद चावछरिया, रोटेरियन सुरेंद्र सिंघानिया, रोटेरियन निलेश कोठारी, रोटेरियन संजय खेतान, रोटेरियन मनीष धानुका, रोटेरियन अंकित मोदी

सीकर नागरिक परिषद एवं रोटरी क्लब ऑफ देवघर का यह संयुक्त प्रयास समाजसेवा, जनकल्याण एवं जरूरतमंद लोगों को सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

इस मेगा शिविर के माध्यम से हजारों लोगों तक पहुंचने, मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों की पहचान करने तथा ऑपरेशन के लिए योग्य मरीजों को नि:शुल्क शल्य चिकित्सा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

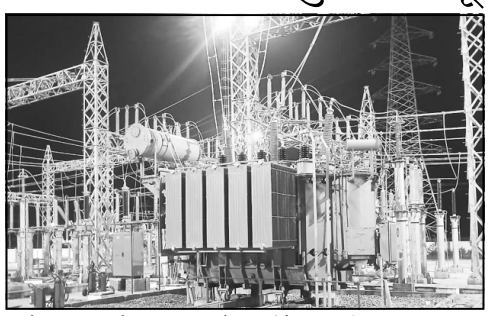
देवघर में अगले साल होगा कबड्डी का गोल्ड कप

जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला संपन्न



देवघर (आससे)। जिला कबड्डी संघ, देवघर की ओर से स्थानीय इनडोर स्टेडियम में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला आर मित्रा स्कूल, देवघर और सारवां के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में आर मित्रा स्कूल की टीम विजयी रही। वहीं बालक वर्ग में देवघर फाइटर और सारवां की टीम भिड़ी। कड़े मुकाबले में देवघर फाइटर की टीम विजयी रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला ओलंपिक संघ सह जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष डॉ. सुनील खवाड़े ने रनर और विनर दोनों टीम और उनके खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। डॉ. सुनील खवाड़े ने घोषणा की कि फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज करने वाली दोनों टीमों को 11-11 हजार रुपए और से सारवां टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सुजीत को 5 हजार नगद राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। खिलाड़ियों को नगद राशि एक नवंबर को इनडोर स्टेडियम में आयोजित समारोह में प्रदान की जाएगी। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए डॉ. सुनील खवाड़े ने कहा कि जल्द ही देवघर में कबड्डी का गोल्ड कप होगा। हमलोगों का प्रयास है कि नए साल की पहले तिमाही में गोल्ड कप का आयोजन हो, जिसमें राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के कबड्डी के खिलाड़ी देवघर आकर यहां की टीमों का उत्सवर्धन करेंगे। फाइनल मुकाबले से पूर्व मुख्य अतिथि डॉ सुनील खवाड़े ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया, इसके बाद दोनों टीमों में अपने-अपने खेल का प्रदर्शन किया। मौके पर जिला ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष संजय मालवीय, जिला कबड्डी संघ के सचिव धर्मेंद्र देव, ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष नवीन शर्मा, आशुतोष कुमार उर्फ जिमी, जिला कबड्डी संघ के संयुक्त सचिव अशरफ अली खान, प्रकाश भारद्वाज, टिंकू खवाड़े, मनोज पांडेय, दीपक दुबे, रोहित आदि मौजूद थे। निर्णायक की भूमिका में ललित कुमार झा, रोहित कुमार मिश्रा, अमित राउत, दुर्गेश कुमार, विक्रम कुमार, कौशल कुमार, नितेश झा उर्फ साजन ने सक्रिय भूमिका निभाई।

एम्स देवघर के लिए समर्पित ग्रिड सबस्टेशन हुआ चालू



देवघर (आससे)। JUSNL और JBVNL mæÚUæ AIIMS देवघर के लिए एक समर्पित ग्रिड सबस्टेशन (ह्स्स्) और फीडर का निर्माण, जिसका लंबे समय से इंतजार था और जो अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना थी, सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। AIIMS देवघर को अब नवनिर्मित समर्पित ह्स्स् के माध्यम से बिजली की आपूर्ति प्राप्त हो रही है। 132/33 kV पर 50 MV क्षमता वाले इस नए निर्मित सबस्टेशन से अस्पताल को बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता, निरंतरता और गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। इस विकास का एक प्रमुख लाभ बिजली आपूर्ति मार्ग का काफी छोटा होना है, जिससे पिछली व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों को कम करने में मदद मिलेगी। पहले, AIIMS देवघर को डाबुरग्राम स्थित पुराने सबस्टेशन से लगभग 17-18 किलोमीटर लंबे फीडर मार्ग के माध्यम से बिजली मिलती थी। नई समर्पित अवसंरचना से बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ने और इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्थान के निर्बाध संचालन में सहायता मिलने की उम्मीद है। यह उपलब्धि AIIMS देवघर के बिजली अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आशा है कि समर्पित जीएसएस के चालू होने से बिजली आपूर्ति की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा और अधिक स्थिर एवं विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जो रोगी देखभाल, महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों और अस्पताल सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक है। एआईएमएस देवघर को विश्वसनीय, निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में जेयूएसएनएल और जेबीवीएनएल द्वारा उठाया गया यह एक सराहनीय कदम है।

खोरठा भाषी साहित्यकार धनबाद में सम्मानित



देवघर (आससे)। खोरठा भाषा-साहित्य को समृद्ध करने में जुटे देवघर के 03 साहित्यकारों को रविवार को बड़ा सम्मान मिला है। धनबाद स्थित विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित पांचवें राज्य स्तरीय अलंकरण समारोह में देवघर के फालुनी मरीक कुशवाहा, डॉ. रवि शंकर साह एवं अनिता चौधरी को खोरठा भाषा के विशिष्ट सम्मान से नवाजा गया।

झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति, रांची एवं खोरठा पत्रिका %सहिया% के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में झारखंड भर के करीब तीन दर्जन खोरठा साहित्यकारों को उनकी साहित्यिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में देवघर के वरिष्ठ साहित्यकार फालुनी मरीक कुशवाहा को खोरठा साहित्य का सर्वोच्च जनार्दन प्रसाद गोस्वामी व्यथित खोरठा सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया, जबकि डॉ. रवि शंकर साह एवं अनिता चौधरी को खोरठा सहिया पत्रिका सम्मान से अलंकृत किया गया।सम्मान समारोह के दौरान तीनों साहित्यकारों ने अलग-अलग विधाओं में अपनी रचनाओं का काव्य पाठ किया, जिसकी सभागार में मौजूद साहित्य प्रेमियों ने खूब सराहना की और तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रामकुमार सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉ. शिरोमणि महतो ने की। मौके पर प्रो. मुकुंद रविदास, सहिया खोरठा पत्रिका के संपादक अनिल कुमार गोस्वामी, तारकेश्वर महतो गरीब, नेतलाल यादव, विष्णु देव महतो, भीम महतो, कृष्ण गोप सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार और छात्र उपस्थित थे। देवघर के खोरठा भाषी साहित्यकारों में उनके सम्मान को लेकर काफी हर्ष है। विदित है तीनों साहित्यकार प्रगतिशील लेखक संघ से जुड़े हैं। संघके देवघर जिला अध्यक्ष प्रोफेसर राम नंदन सिंह ने तीनोंको बधाई दी है।

प्रदीप कुमार शाही सदाबहार फिल्मों के अमर कलाकार थे

देवघर (आससे)। भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ ऐसे कलाकार हुए हैं, जिन्होंने अपने व्यक्तित्व, अभिनय-कौशल, संवाद अदायगी और आकर्षक स्क्रीन उपस्थिति से दर्शकों के हृदय में विशेष स्थान बनाया। उनकी मृत्यु 27 अक्टूबर, 2001 को हुई थी। मौके पर स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा- अभिनेता प्रदीप कुमार उन्हीं प्रतिभाशाली कलाकारों में से एक थे। ऐतिहासिक, पौराणिक, सामाजिक और रोमांटिक फिल्मों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले प्रदीप कुमार ने हिंदी और बांग्ला सिनेमा को समृद्ध किया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करना भारतीय फिल्म जगत के एक ऐसे कलाकार को श्रद्धांजलि अर्पित करना है, जिनका योगदान आज भी सिनेप्रेमियों के लिए प्रेरणादायक है। उनका जन्म 4 जनवरी 1925 को तत्कालीन कलकत्ता, वर्तमान कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ था। उनका वास्तविक नाम शीतल बटब्याल था। बचपन से ही अभिनय और कला के प्रति उनकी रुचि थी। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत बांग्ला सिनेमा से की। वर्ष 1947 में प्रदर्शित बांग्ला फिल्म 'अलकनंदा' से उन्हें अभिनय के क्षेत्र में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने अपनी प्रतिभा के बल पर हिंदी सिनेमा में कदम रखा और धीरे-धीरे लोकप्रियता हासिल की। उनका फिल्मी सफर लगभग पांच दशकों तक फैला रहा। उनकी अभिनय शैली में शालीनता, गंभीरता, सहजता और राजसी गरिमा का अद्भुत समन्वय दिखाई देता था। उनका व्यक्तित्व ऐतिहासिक और रोमांटिक भूमिकाओं के लिए विशेष रूप से उपयुक्त था। यही कारण था कि फिल्म निर्माताओं ने उन्हें अनेक महत्वपूर्ण भूमिकाओं में प्रस्तुत किया। वर्ष 1952 में प्रदर्शित फिल्म 'आनंद मठ' ने हिंदी सिनेमा में उनके करियर को महत्वपूर्ण दिशा दी। इसके बाद 1953 में आई फिल्म 'अनारकली' में उन्होंने शहजादा सलीम की भूमिका निभाई। इस फिल्म ने उन्हें व्यापक लोकप्रियता दिलाई। ऐतिहासिक परिवेश में उनके अभिनय और व्यक्तित्व ने दर्शकों को प्रभावित किया।



वर्ष 1954 में प्रदर्शित फिल्म 'नागिन' भी उनके करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म में वैजयंतीमाला के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म के गीत-संगीत और कहानी के साथ उनका अभिनय भी चर्चा का विषय बना। 1963 में प्रदर्शित फिल्म 'ताजमहल' है। इसमें उन्होंने मुगल सम्राट शाहजहाँ की भूमिका निभाई। इस ऐतिहासिक किरदार में उन्होंने प्रेम, संवेदनशीलता और शाही व्यक्तित्व का प्रभावशाली चित्रण किया। उनकी यह भूमिका हिंदी सिनेमा की यादगार ऐतिहासिक भूमिकाओं में गिनी जाती है। उन्होंने अपने करियर में अनेक प्रसिद्ध अभिनेत्रियों के साथ काम किया। विशेष रूप से मीना कुमारी के साथ उनकी जोड़ी कई फिल्मों में दिखाई दी। 'बंदिश', 'आरती', 'भीगी रात', 'चित्रलेखा', 'बहू बेगम' और 'नूरजहाँ' जैसी फिल्मों में उन्होंने विविध भूमिकाएँ निभाई। उनके अभिनय की विशेषता यह थी कि वे प्रेम और भावनाओं से जुड़े दृश्यों में सहजता बनाए रखते थे। वे केवल आकर्षक व्यक्तित्व वाले अभिनेता नहीं थे, बल्कि अपने चरित्र की भावनात्मक आवश्यकताओं को समझकर उसे पर्दे पर प्रस्तुत करने की क्षमता भी रखते थे। समय के साथ उन्होंने मुख्य भूमिकाओं के अलावा सहायक और चरित्र भूमिकाएँ भी निभाईं। बदलते फिल्मी परिवेश के अनुरूप स्वयं को ढालना उनके लंबे करियर की एक महत्वपूर्ण विशेषता रही। उनका अभिनय उनकी गरिमामय उपस्थिति, प्रभावशाली संवाद अदायगी और संतुलित भाव-भंगिमाओं के लिए जाना जाता था। ऐतिहासिक फिल्मों में वे किसी राजकुमार या सम्राट की भूमिका में स्वाभाविक दिखाई देते थे। वहीं सामाजिक और पारिवारिक फिल्मों में वे एक संवेदनशील तथा भावनात्मक पात्र के रूप में दर्शकों के सामने आते थे।

उनकी फिल्मों में उस दौर की भारतीय संस्कृति, प्रेम, त्याग, पारिवारिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं की झलक देखने को मिलती है। उन्होंने बांग्ला और हिंदी सिनेमा के बीच कलात्मक संबंधों को मजबूत करने में भी योगदान दिया। उनके लंबे फिल्मी जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उन्होंने अभिनय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखी। वर्ष 1999 में उन्हें कलाकार पुरस्कार से लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान प्रदान किया गया, जो उनके फिल्मी योगदान की महत्वपूर्ण पहचान है। 27 अक्टूबर 2001 को 76 वर्ष की आयु में कोलकाता में प्रदीप कुमार का निधन हो गया। उनके निधन से भारतीय सिनेमा ने एक अनुभवी और प्रतिभाशाली कलाकार को खो दिया। हालांकि वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी फिल्में, उनके यादगार किरदार और अभिनय की विशिष्ट शैली उन्हें सिनेमा के इतिहास में जीवित रखते हैं। कलाकार का वास्तविक जीवन भले ही सीमित हो, लेकिन उसकी कला समय की सीमाओं को पार कर जाती है। प्रदीप कुमार इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उनकी फिल्में आज भी पुराने हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर की याद दिलाती हैं और नई पीढ़ी को भारतीय फिल्म इतिहास से परिचित कराती हैं। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यही कहा जा सकता है कि प्रदीप कुमार केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की उस परंपरा के प्रतिनिधि थे, जिसमें अभिनय के साथ गरिमा, संवेदना और कलात्मक अनुशासन का विशेष महत्व था। उनकी स्मृतियाँ, उनका अभिनय और उनकी कालजयी फिल्में सिनेप्रेमियों के हृदय में सदैव जीवित रहेंगी।

रामलीला मैदान में रैली को लेकर बैठक आयोजित

देवघर (आससे)। 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली में शामिल होने को लेकर देवघर जिला इंटक, महिला कांग्रेस एवं अनुसूचित जाति विभाग की बैठक हुई। उक्त बैठक में देवघर जिला इंटक के जिला अध्यक्ष अनंत मिश्रा, देवघर जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला देवी, देवघर जिला कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष नित्यानंद सेवक, झारखंड प्रदेश इंटक के प्रदेश सचिव सह इंटक के संथाल परगना प्रभारी अजय कुमार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिकांत यादव, मोहनपुर प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हेमंत चौधरी, कांग्रेस नेता तुलसी पोद्दार इंटक जिला सचिव अभिषेक सिंह, कोषाध्यक्ष आशीष कुमार एवं सुरेश पंडित शामिल थे। उक्त अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली प्रस्तावित रैली में इंटक, महिला कांग्रेस एवं अनुसूचित जाति विभाग के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

मोटरसाइकिल और हाइवा की टक्कर में तीन जख्मी, रेफर

सिरदला (नवादा) (संसू)। थाना क्षेत्र के चरघरवा मोड़ के पास रविवार को मोटरसाइकिल और हाईवा के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल नवादा रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार रजौली की ओर से आ रहे थे, जबकि हाईवा सिरदला की तरफ से जा रहा था। इसी दौरान चरघरवा मोड़ के पास दोनों वाहनों में टक्कर हो गई। घायलों की पहचान गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के रेंगनियां टांड़ गांव निवासी सचिन कुमार, चंदन कुमार तथा जमुदहा गांव निवासी रोबिन कुमार के रूप में हुई है। घटना के दौरान गश्ती में मौजूद सिरदला पुलिस के एसआई मुकेश कुमार ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को उठाकर अस्पताल के बेड तक पहुंचाया। उनकी इस पहल की स्थानीय लोगों ने सराहना की। चिकित्सक जनार्दन कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। वहीं, हादसे के बाद हाईवा चालक तिलैया स्थित पेट्रोल पंप के पास वाहन खड़ा कर फरार हो गया। पुलिस ने हाईवा जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

फारूक मार्केट में लगी भीषण आग, लाखों की क्षति

पकरीबरावां (नवादा) (संसू)। बाजार स्थानीय थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले व्यस्त फारूक मार्केट में शनिवार की देर शाम एक भयंकर अग्निकांड की घटना सामने आई। इस भीषण आगजनी में मार्केट स्थित कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं, जिससे व्यवसायियों को लाखों रुपए का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया और स्थानीय लोगों में भारी दहशत फैल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शनिवार की देर शाम फारूक मार्केट की एक दुकान से अचानक धुंआ उठने लगा, जिसके कुछ ही पलों बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। हालांकि, आग लगने के असली कारणों का अब तक आधिकारिक तौर पर पता नहीं चल पाया है, लेकिन मौके पर मौजूद ग्रामीणों और दुकानदारों का कहना है कि यह दुर्घटना शॉर्ट सर्किट की वजह से हुई होगी। देखते ही देखते आग ने आसपास की अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस अग्निकांड में सबसे अधिक नुकसान कपड़े की दुकानों और एक प्रतिष्ठित ब्रांड %खादिम% के जूता शोरूम को हुआ है। दुकानदारों ने बताया कि आग इतनी अचानक और तेज गति से फैली कि उन्हें अपनी दुकान से एक भी सामान निकालने का मौका नहीं मिला। दुकान के अंदर रखे नए कपड़े, जूते-चप्पल, फर्नीचर और काउंटर समेत सारा सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। इस हादसे के बाद पीड़ित दुकानदारों का रो-रोकर बुरा हाल है, क्योंकि उनकी सालों की मेहनत और पूंजी कुछ ही घंटों में धुएं में तब्दील हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। साथ ही, तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग (दमकल विभाग) को दी गई। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दमकल की गाड़ियों को आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए घंटों कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयासों के बाद आग को आसपास की अन्य इमारतों तक फैलने से तो रोक लिया गया, घटना के बाद पूरे बाजार में मातम का माहौल है। जनप्रतिनिधियों और व्यवसायिक संघों ने इस दुखद हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन से मांग की है

डिजिटल अरेस्ट कर 25 लाख 50 हजार रुपये की ठगी

नवादा। साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट का खौफ दिखाकर एलआईसी एजेंट से 25 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली। आरोप है कि अपराधियों ने खुद को सीबीआई, पुलिस और सुप्रीम कोर्ट का अधिकारी बताकर बुजुर्ग को छह दिनों तक मानसिक रूप से प्रताड़ित किया।

सुबह से रात तक वीडियो कॉल पर निगरानी रखी जाती थी। यहां तक कि उन्हें खाना खाने और सोने के दौरान भी कैमरा चालू रखने को कहा जाता था।

पीड़ित किशोरी प्रसाद गुप्ता नवादा शहर के पोस्टमार्टम रोड के निवासी हैं।

उन्होंने बताया कि 9 अक्टूबर को फोन कर उन पर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में शामिल होने का आरोप लगाया गया। गिरफ्तारी और जेल भेजने की धमकी देते हुए कहा गया कि उनके खाते में मौजूद रकम सीबीआई के बताए खाते में ट्रांसफर करनी होगी।

जांच के बाद पैसा वापस करने और जमानत दिलाने का भरोसा दिया गया। किशोरी प्रसाद गुप्ता के मुताबिक, चार से पांच लोग अलग-अलग अधिकारी बनकर उनसे बात करते थे।

एक व्यक्ति ने खुद को सीबीआई का एसपी बताया, जबकि दूसरे ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से बात कराने का दावा किया। अपराधियों ने किसी को जानकारी देने पर हत्या की धमकी भी दी।

घर में अकेले रहने के कारण वह बुरी तरह डर गए और उनकी बातों में आकर पैसे ट्रांसफर कर दिए। 12 से 14 अक्टूबर के बीच तीन बार में कुल 25.50 लाख रुपए की ठगी हुई। 16 अक्टूबर को बेटी का फोन आने पर उन्होंने पूरी घटना बताई।

बेटी ने साइबर ठगी का शिकार होने की बात समझाई, जिसके बाद पीड़ित ने 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत की। मामले में 22 अक्टूबर को मुकदमा दर्ज किया गया। साइबर डीएसपी शाहनवाज अख्तर ने बताया कि ठगी की रकम कई बैंक खातों में ट्रांसफर की गई है। पुलिस सभी खातों को होल्ड कराने की प्रक्रिया में जुटी है। मामले की जांच तेज कर दी गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।